दिगंत

ई-पत्रिका :जनवरी-2022

'नैक' प्रत्यायित

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर-273001

website : www.dnpgcollege.edu.in

दिगंत-ई-पत्रिका:जनवरी- 2022

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

प्रो.उदय प्रताप सिंह
अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

श्री प्रमोद कुमार चौधरी
उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

प्रो. ओम प्रकाश सिंह, प्राचार्य
प्रधान सम्पादक

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव,** तकनीकी सहायक

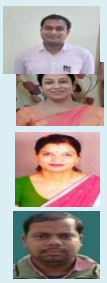

प्राचार्य की कलम से.....

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रीयता की त्रिवेणी प्रसारित करने के दिव्य संकल्प के साथ वर्ष 1969 में स्थापित दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर ई–पत्रिका दिगंत के नवीन संस्करण का प्रकाशन कर रहा है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक पुनर्जागरण के उद्देश्य से श्री गुरू गोरक्षनाथ मन्दिर ने सन् 1932 ई. में गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की थी। वर्तमान में यह परिषद हमारे परम् पूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ जी महाराज के नेतृत्व एवं कुशल मार्गदर्शन में शिक्षा के क्षेत्र में विकास के नये कीर्तिमान स्थापित कर रही है। शहर के हृदय स्थल में स्थित दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर अपने संस्थापको द्वारा देखे गये शैक्षिक पुनर्जागरण के स्वप्न को साकार करने की दिशा में निरन्तर संकल्पबद्ध है। इस संस्था का उद्देश्य ऐसे योग्य, चरित्रवान एवं समर्पित आदर्श नागरिकों का निर्माण करना है, जिनके द्वारा भारतीय संस्कृति के सनातन आध्यात्मिक मूल्यों एवं परम्पराओं को निरन्तर सम्पोषित एवं संवर्द्धित करते हुए एक सशक्त, समर्थ एवं समृद्ध राष्ट्र की स्थापना का स्वप्न साकार हो सके। हमारा संकल्प है कि भारत अपनी ज्ञान परम्परा की विरासत के प्रकाशन से पुनः विश्व गुरू के पद पर प्रतिष्ठित हो सके। शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की दिशा में सतत, प्रयत्नशील इस महाविद्यालय ने विगत वर्ष नैक प्रत्यायन में B++ ग्रेडिंग प्राप्त की है और मेरा विश्वास है कि प्रत्यायन के अगले चरण में महाविद्यालय को निश्चित रूप से A+ ग्रेड प्राप्त महाविद्यालयों की श्रेणी में गिना जायेगा। शिक्षण एवं अनुशासन इस महाविद्यालय की गौरव गाथा का कीर्ति पठन–पाठन के अतिरिक्त यह संस्था विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए निरन्तर अकादमिक, सामाजिक एवं बौद्धिक कार्यक्रमों, परिचर्चाओं, संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं का आयोजन करती रहती है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की दृष्टि से महाविद्यालय की एक समृद्ध परम्परा रही है। महाविद्यालय के पुरातन छात्रों एवं अभिभावकों के अनुभवों एवं संस्था की बेहतरी के लिए समय–समय पर प्राप्त सुझावों एवं मार्गदर्शन से लाभान्वित होते हुए यह संस्था आज गोरखपुर शहर के एक श्रेष्ठ उच्च शिक्षण संस्थान के रूप में जानी जाती है। हमने 'स्वच्छ भारत–श्रेष्ठ भारत' के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ते हुए विद्यार्थियों के साथ–साथ प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए अनुकूल वातावरण, हरे–भरे स्वच्छ परिसर की स्थापना का प्रयास किया है।

मेरा विश्वास है कि शिक्षा वह प्रकाशपुंज है जिसके आलोक से प्रकाशित होते हुए व्यक्ति एवं समाज दोनो ही राष्ट्र निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान दे सकते है और जीवन में आने वाली बड़ी से बड़ी चुनौतियों का धैर्य पूर्वक सामना कर सकते हैं। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर शिक्षा के माध्यम से भारत राष्ट्र के सनातन मूल्यों, विचारों एवं महान सांस्कृतिक परम्पराओं के उन्नयन, सम्पोषण एवं संवर्द्धन की दिशा में सतत प्रयत्नशील हो, यही मेरी हार्दिक इच्छा है और शुभकामना भी।

प्रो.ओम प्रकाश सिंह
प्राचार्य

नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत समारोह

दिनांक 04 जनवरी 2022 को प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग में स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष के छात्रों ने प्रथम वर्ष के नव प्रवेशी छात्रों के स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में **महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह** ने कहा कि शिक्षण संस्थान शिक्षा, संस्कृति और ज्ञान की त्रिवेणी होती है। संस्थानों से ही छात्र का सर्वांगीण विकास होता है। उन्होंने कहा कि जब परम्पराओं का संवहन होता है तो इतिहास ही उसका साक्षी होता है। इतिहास केवल अतीत के वृतान्त का वर्णन ही नहीं, बल्कि इसका क्षेत्र बहुआयामी है। यह भविष्य का दर्पण होता क्योंकि अतीत के आधार पर ही हम भविष्य की संकल्पना कर सकते है। भारत का सम्पूर्ण इतिहास तीन काल खण्डों में विभक्त है जिसका पहला खण्ड जो प्राचीन इतिहास कहलाता है, यह पराक्रम और पौरूष का काल है। भारतीय इतिहास का मध्यकाल पराधीनता का काल कहा जाता है जबकि तीसरा काल खण्ड पुनर्जागरण और पुनर्निर्माण का कालखण्ड है जो आधुनिक इतिहास कहलाता है। अतः किसी राष्ट्र की सम्पूर्ण व्यवस्था उसकी इतिहास पर ही आश्रित रहती है। किसी शिक्षण संस्था का समग्र विकास उसके प्रत्येक घटक के समन्वय से होती है। ऐसे कार्यक्रम छात्रों के व्यक्तित्व के चौमुखी विकास का आधार होते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर प्रतिस्पर्धा का दौर है अतः कठिन साधना और मजबूत संकल्प के साथ–साथ छात्रों को अपने निश्चित विकल्प को चुनना चाहिए। प्राचार्य ने सभी छात्र–छात्राओं को कार्यक्रम सहित नव वर्ष की बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम का शुभारम्भ विभागाध्यक्ष डॉ. धीरेन्द्र सिंह द्वारा अतिथि स्वागत से किया गया। मुख्य अतिथि ने वर्तमान परिस्थिति में कक्षाओं में छात्रों की उपस्थिति की कमी पर ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि कक्षा में अधिक से अधिक छात्रों की उपस्थिति से उनकी ज्ञान में वृद्धि होती है।

इस सांस्कृतिक परिवेश में छात्र–छात्राओं ने अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए अपनी गीत, संगीत, नाटिका तथा देशभक्ति और धार्मिक गीत और नृत्य से सम्पूर्ण माहौल का मंत्रमुग्ध कर दिया।

इसमें शिवानी शुक्ला का गीत, मोहिनी राय शोलो डान्स, माधुरी यादव का कृष्ण भक्ति गीत तथा ग्रुप डान्स में शिवानी, प्रगति, पूजा, शालू सिंह तथा माधुरी न अपने हुनर से सबका भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम के अन्तिम चरण में **एम.ए. प्रथम वर्ष के छात्र आकाश दूबे मि. फ्रेशर तथा सोनी पासवान मिस. फ्रेशर** चुनी गयी।

कार्यक्रम का संचालन एम.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा साक्षी पाण्डेय ने किया तथा आभार ज्ञापन विभाग की शिक्षिका डॉ. कामिनी सिंह ने किया। उक्त अवसर पर डॉ. मुरली मनोहर तिवारी, डॉ. अखण्ड प्रताप सिंह तथा स्नातकोत्तर प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के सभी छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 05 जनवरी 2022 को शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा अभिविन्यास कार्यक्रम के अन्तर्गत स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष के छात्रों ने प्रथम वर्ष के नव प्रवेशी छात्रों के स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि **महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह** थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थान शिक्षा, संस्कृति और ज्ञान की त्रिवेणी होती है। संस्थानों से ही छात्र का सर्वांगीण विकास होता है।

कार्यक्रम का प्रारम्भ विभागाध्यक्ष डॉ. निधि राय द्वारा अतिथि स्वागत से किया गया। कार्यक्रम के अन्तिम चरण में **एम.ए. प्रथम वर्ष के छात्र सुधीर राय मि. फ्रेशर तथा नेहा मिस. फ्रेशर** चुनी गयी।

कार्यक्रम का संचालन एम.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा नुसरत परवीन ने किया तथा आभार ज्ञापन विभाग की शिक्षिका डॉ. रूक्मिणी चौधरी ने किया। उक्त अवसर पर डॉ. धीरेन्द्र सिंह, डॉ. अखण्ड प्रताप सिंह, श्री श्याम सिंह, डॉ. संजीव कुमार सिंह, डॉ. चण्डी प्रसाद पाण्डेय तथा स्नातकोत्तर प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के सभी छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा अभिविन्यास कार्यक्रम

दिनांक 05 जनवरी 2022 को राजनीति विज्ञान विभाग के स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के नव प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वागत कार्यक्रम महाविद्यालय की एक वैभवशाली परम्परा है। उन्होंने विद्यार्थियों को महाविद्यालय के शैक्षिक व शिक्षणेत्तर गतिविधियों के बारे में परिचय कराते हुए उन्हे भावी जीवन की शुभकामनाएँ दी और कहा कि महाविद्यालय शिक्षण के साथ संस्कार भी प्रदान करता है और योग्य भारतीय नागरिकों का निर्माण करता है।

विभाग के प्रभारी श्री इन्द्रेश कुमार ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह महाविद्यालय राष्ट्र के पुनर्निर्माण एवं शिक्षा को भारतीयता में ढालने का कार्य करता है। यहॉ पाठ्यक्रम के साथ–साथ पाठ्यचर्या के माध्यम से व्यक्तित्व निर्माण का कार्य होता है ताकि विद्यार्थी आने वाले चुनौतियों का सामना स्वयं कर सके।

विद्यार्थियों ने अपने कार्यक्रमों के प्रस्तुतीकरण से सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। शिवानी, अलका तथा शशि ने सोलो डांस प्रस्तुत किया। अलका, प्रतिभा और निलू ने ग्रुप डांस प्रस्तुत किया तो वही विनय सिंह ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अन्तिम चरण में एम.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा कुमारी आशा चौहान मिस फ्रेशर तथा सिद्वान्त श्रीवास्तव मिस्टर फ्रेसर चुने गये।

माइनर कोर्स का प्रारम्भ

दिनांक **08 जनवरी 2022 को महाविद्यालय में सी.बी.सी.एस. सिस्टम में माइनर कोर्स** के **अन्तर्गत सांस्कृतिक गतिविधियों** का चयन करने वाले विद्यार्थियों की **नृत्य की कक्षाओं का शुभारम्भ** हुआ। **जिसमें प्रशिक्षक रश्मि सोनी** द्वारा विद्यार्थियों को शास्त्रीय नृत्य का प्रशिक्षण दिया गया। इस कक्षा में 50 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

स्वामी विवेकानन्द जयंती पर कार्यक्रम

महाविद्यालय के एन.सी.सी., रोवर्स–रेंजर्स एवं राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा स्वामी विवेकानन्द की जयंती के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कोविड नियमों का पालन करते हुए 100 से अधिक छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर स्वामी विवेकानन्द के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गयी। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के **प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह** ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द ने वेदांत दर्शन के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं चिन्तन परम्परा का वैश्विक जय घोष किया। वे वेदांत दर्शन को तपस्वियों के साधना का माध्यम ही नही बल्कि जीवन की विविध समस्याओं के समाधान की पूंजी मानते थे। भारतीयों को अभयम् का संदेश देते हुए उन्होंने हर उस चीज के परित्याग की बात कही जो मनुष्य को शारीरिक, मानसिक एवं आत्मिक रूप से कमजोर करती है।

गणतंत्र दिवस पर कार्यक्रम

दिनांक 26 जनवरी 2022 को महाविद्यालय में 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण किया गया। सर्वप्रथम **महाविद्यालय में प्रातः 10:00 बजे प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह** ने झंडारोहण किया, तत्पश्चात **डॉ परीक्षित सिंह** द्वारा उच्च शिक्षा निदेशक के पत्र का वाचन करते हुए उच्च शिक्षा के उद्देश्य, राज्य विश्वविद्यालय में स्थापित शोध पीठ, शिक्षा में नवाचार तथा गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा की बात कही।

इस अवसर पर **महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह** ने कहा कि 73वां गणतंत्र दिवस हम सभी देशवासियों को अपने अधिकारो के साथ–साथ एक नागरिक के रूप में दायित्वों को लेकर भी सजग–सचेत रहने की अपेक्षा करता है।

उन्होंने कहा कि फ्रांसीसी क्रान्ति के स्वतंत्रता, समानता एवं बन्धुत्व के नारे को हमारे भारतीय संविधान निर्माताओं ने संविधान में स्थान दिया है, जो हमें समरसता एवं समानता के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता रहता है।

कार्यक्रम का संचालन शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी **श्री अवधेश शुक्ला** ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी तथा छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे ।